वार्षिक रिपोर्ट

1996—1997

भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद्

देहरादून

वार्षिक रिपोर्ट

1996—1997

भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद

देहरादून

विषय वस्तु

अध्याय

	सारांश	(I)
१.	प्रस्तावना	1
२.	वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून	4
३.	वन आनुवांशिकी एवं वृक्ष प्रजनन संस्थान, कोयम्बटूर	20
४.	काष्ठ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, बंगलौर	32
५.	उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर	46
६.	वर्षा एवं नम पर्णपाती वन अनुसंधान संस्थान, जोरहाट	65
७.	शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर	71
८.	हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला	85
९.	वन उत्पादकता संस्थान, रांची	91
१०.	सामाजिक वानिकी एवं पारि-पुनर्स्थापन केन्द्र, इलाहाबाद	95
११.	वानिकी अनुसंधान एवं मानव संसाधन विकास केन्द्र, छिंदवाड़ा	99
१२.	वन अनुसंधान केन्द्र, हैदराबाद	102
१३.	वानिकी विस्तार	104
१४.	वानिकी शिक्षा	118
१५.	वानिकी सांख्यिकी	122
१६.	विदेशों से सहायता-प्राप्त परियोजनायें	126
१७.	परीक्षित वार्षिक लेखा	140
	अनुबंध	159

सारांश

वर्ष १९९६-९७ के दौरान भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद् के कार्यकलापों का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है :-

१. **वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून** : संस्थान ने काष्ठ शारीरिकी, वृक्ष प्रजातियों के कायिक प्रवर्धन, पॉप्युलस डेलट्वाइडस से उच्च उत्पाद लुगदी के परिष्करण, अकाष्ठ वन उत्पादों पर रासायनिक अन्वेषण, वन उत्पादों, खनित क्षेत्रों की पारिस्थितिकी एवं सुधार, रोपण एवं प्राकृतिक वनों के नाशी जीवों, वन मृदाओं, क्लोनीय गुणन, औषधीय पादपों की खेती, नर्सरी एवं रोपण बीमारियां एवं उनके प्रबन्धन, वन प्रजातियों की नर्सरी तकनीकों के सुधार तथा विभिन्न प्रजातियों की उत्पादकता एवं जैवमात्रा पर अनुसंधान कार्य किया है। व०अ०सं० सम विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों तथा विभिन्न संगठनों से आए प्रशिक्षार्थियों को प्रशिक्षण दिया गया। विभिन्न सरकारी/गैर सरकारी संगठनों द्वारा मांगी गयी तकनीकी जानकारी उपलब्ध कराई गई तथा प्रदर्शन द्वारा प्रौद्योगिकियों का हस्तान्तरण किया गया।

२. **वन आनुवंशिकी एवं वृक्ष प्रजनन संस्थान, कोयम्बटूर** : वन आनुवंशिकी एवं वृक्ष प्रजनन, पादप जैव-प्रौद्योगिकी, खान की विकृत मृदा के सुधार के लिए मृदा सुधार एवं प्रजातियों की उपयुक्तता, चयनित वृक्ष प्रजातियों के लिए वृक्ष सुधार रणनीतियों तथा कायिक एवं पुनरूत्पादक माध्यमों से गुणवत्ता रोपण स्टॉक के उत्पादन पर अनुसंधान कार्य किए गए। विस्तार कार्य-कलापों में प्रौद्योगिकियों के प्रदर्शन तथा विस्तार परियोजनाओं के लिए विभिन्न एजेंन्सियों से सम्पर्क करना शामिल है।

३. **काष्ठ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, बंगलौर** : प्रकाष्ठ की पहचान तथा काष्ठ गुणवत्ता के मूल्यांकन पर विशेष जोर देते हुए काष्ठों की शारीरिक संरचना, कम ज्ञात प्रकाष्ठों के, उनके युक्तिमूलक उपयोग के लिए प्रक्रमण की उपयुक्त विधियों, वन उत्पादों के रसायन, नाशी जीव प्रबन्धन एवं काष्ठ रक्षण, चन्दन वृक्ष सुधार तथा कैटामरैनों के लिए वैकल्पिक प्रकाष्ठों के उपयोग पर परीक्षण किए गए। काष्ठ प्रौद्योगिकी के विभिन्न पहलुओं के बारे में वनविदो, गैर सरकारी संगठनों, किसानों तथा विद्यार्थियों में जागरूकता पैदा की गई। विस्तार कार्यक्रम में प्रौद्योगिकी प्रदर्शन, किसानों में गुणवत्ता पौधों के वितरण, विभिन्न सरकार/गैर-सरकारी विभागों के साथ अनुबन्धों के विकास तथा नर्सरी पद्धतियों पर कार्यशालाएं और काष्ठ के अन्य पहलू शामिल हैं।

४. **उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर** : आनुवंशिक परीक्षण द्वारा रोपण स्टॉक सुधार, धन वृक्ष चयन, बीज उत्पादन क्षेत्र, उद्गमस्थल परीक्षण, बीजोद्यान, कायिक प्रवर्धन, तथा सूक्ष्मप्रवर्धन तकनीकों पर कार्य किया गया। खनित क्षेत्रों के सुधार, वन रक्षण, जैव उर्वरकों के उपयोग तथा भूमि क्षमताओं के अनुरूप उपयुक्त कृषि वानिकी मॉडलों के विकास पर भी अनुसंधान किया गया। विस्तार कार्यक्रम में किसानों तथा जनजातियों में गुणवत्ता रोपण स्टॉक के वितरण, प्रदर्शन गाँवों में प्रशिक्षण कार्यक्रम, किसानों के खेतों में पौधशालाओं की स्थापना तथा प्रौद्योगिकियों के प्रदर्शन शामिल हैं।

११. **वन अनुसंधान केन्द्र, हैदराबाद** : यह केन्द्र प्रारम्भिक अवस्था में है तथा यहाँ पर आन्ध्र प्रदेश की महत्वपूर्ण वृक्ष प्रजातियों पर अनुसंधान करने के लिए अव-संरचना का विकास किया जा रहा हैं।

१२. **वानिकी विस्तार** : वर्ष १९९६-९७ के दौरान भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद् के मुख्य वानिकी विस्तार कार्यकलापों, जो मुख्यालय एवं संस्थानों द्वारा किए गए, में प्रौद्योगिकियों का प्रदर्शन, फिल्मों का निर्माण, कार्यशालाओं, प्रदर्शनियों एवं सेमिनारों का आयोजन, विवरणिकाओं, किताबों, पुस्तिकाओं का प्रकाशन तथा राष्ट्रीय वन पुस्तकालय सूचना केन्द्र का विकास करना शामिल हैं।

१३. **वानिकी शिक्षा** : वर्ष १९९६-९७ के दौरान भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद् के वानिकी शिक्षा संबंधी कार्यकलाप वन अनुसंधान संस्थान सम विश्वविद्यालय तथा भ०वा०अ०शि०प० मुख्यालय में शिक्षा निदेशालय द्वारा संपन्न किए गए। इसमें विभिन्न डॉक्टरल/पोस्ट-डॉक्टरल कार्यक्रम, स्नातकोत्तर डिग्री/डिप्लोमा तथा प्रशिक्षण कार्यक्रम शामिल हैं।

१४. **वानिकी सांख्यिकी** : भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद् के सांख्यिकी निदेशालय ने सांख्यिकीय मामलों में परिषद् के संस्थानों को सलाह देने के अलावा वानिकी सांख्यिकी एवं प्रकाष्ठ/बांस ट्रेड बुलेटिनों के मुद्रण के लिए आंकड़ों को एकत्रित व संकलित किया।

१५. **विदेशों से सहायता प्राप्त परियोजनाऐं** : भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद् द्वारा विदेशों से सहायता-प्राप्त कई परियोजनाऐं भी शुरू/ कार्यान्वित की गई हैं। इसमें संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम, विश्व बैंक, आई.डी.आर.सी., फोर्ड फाउन्डेशन तथा नाबार्ड द्वारा दिए गए धन/सहयोग से संचालित परियोजनाएं शामिल हैं।